ADMSC-1 Nursery Training Course

Credits: 2

For UG COURSE (III / IV Semester) UNDER NEP-2020

Objective:

The training course is aimed to train the students who take the nursery work as a hobby. It will also help the students to impart training to local communities and to contribute the society in making a healthy environment around. At the same time, it can also be developed as an alternate source of income generation. The Interactive teaching techniques and practical sessions will be employed to facilitate the learning.

There will be two aspects of the course: The theoretical aspect (one paper of 70 Marks) and the practical aspects (Sessional exam of 30 marks)

Course Content

Unit I: Introduction

Importance and scope of nurseries, plant identification and culture. How plants are named, scientific and common names. Type and classification of nurseries: temporary, permanent, dry, wet, advantages and disadvantage. Basic requirements for a nursery: selection of nursery site, soil structure, health and nutrition, available water quality, slope, aspect and environment. Watering, weed control, importance of a polyhouse/glasshouse/shade house in a nursery. Major and minor Nutrients.

Unit II: Plant propagation

Seed germination, seed dormancy, handling seeds, pre-germination treatments, handling seedlings. Preparation of seed Beds, time of seeding, method of seeding, quantity of required seeds, seed tests, purity percent, seed weight, moisture content, germination percent. Watering seed beds, weeding and propagating selected species through seeds. Vegetative propagation: types and importance. Root stocks for fruit plants. Micro-propagation. Use of greenhouse for nursery production.

Unit III: Management of nurseries

Commercial nursery management, entrepreneurship development, principles of nursery management: site selection, financial aspects, legal regulations, production practices (nutrition, water management, pruning and training, storage and handling, transportation). Irrigation methods, soil and nutritional requirements. Bottom heat techniques and cold and hot beds. Mist chambers and hardening techniques. Sowing & plantation techniques. Care & protection of nursery. Financial and Resource Management.

Unit IV: Nursery pests and Disease management

Overview of nursery pests and diseases, identifying problems, nursery hygiene, type of pathogen, common diseases: damping off, wilt, leaf spot etc, common insects pests in nursery: aphids, thrips, mealy bugs, mites, termites etc, methods of pest control (physical, chemical and biological), standards of spray, minimizing chemical use, etc

Practical Course:

Land identification, irrigation facilities, planting material. Infrastructures: nursery beds, polythene bags, equipments, fertilizers, poly-house, shade house, poly-tunnel, composting, etc.

ADMSC-1 नर्सरी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

क्रेडिट: 2

(2020 के तहत यूजी कोर्स (III / IV सेमेस्टर) के लिए)

उद्देश्य:

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का उद्देश्य नर्सरी के काम को शौक के रूप में लेने वाले छात्रों को प्रशिक्षित करना है। यह छात्रों को स्थानीय समुदायों को प्रशिक्षण प्रदान करने और एक स्वस्थ वातावरण बनाने में समाज का योगदान करने में भी मदद करेगा। साथ ही इसे आय सृजन के वैकल्पिक स्रोत के रूप में भी विकसित किया जा सकता है। सीखने की सुविधा के लिए इंटरएक्टिव शिक्षण तकनीकों और व्यावहारिक सत्रों को नियोजित किया जाएगा।

पाठ्यक्रम के दो पहलू होंगे:

(i) सैद्धांतिक पहलू (70 अंकों का एक पेपर) और (ii) व्यावहारिक पहलू (30 अंकों की सत्रीय परीक्षा)

पाठ्यक्रम सामग्री

यूनिट I: परिचयः

नर्सरी का महत्व और दायरा, पौधों की पहचान और संस्कृति। पौधों का नाम कैसे रखा जाता है, वैज्ञानिक और सामान्य नाम। नर्सरी का प्रकार और वर्गीकरण: अस्थायी, स्थायी, सूखा, गीला, फायदे और नुकसान। नर्सरी के लिए बुनियादी आवश्यकताएं: नर्सरी साइट का चयन, मिट्टी की संरचना, स्वास्थ्य और पोषण, उपलब्ध पानी की गुणवत्ता, ढलान, पहलू और पर्यावरण। नर्सरी में पानी देना, खरपतवार नियंत्रण, पॉलीहाउस/ग्लासहाउस/शेड हाउस का महत्व। प्रमुख और लघु पोषक तत्व।

यूनिट II: पौधे का प्रसार

बीज का अंकुरण, बीज सुप्तावस्था, बीजों को संभालना, अंकुरण पूर्व उपचार, रोपाई को संभालना। क्यारियों की तैयारी, बुवाई का समय, बुवाई की विधि, आवश्यक बीजों की मात्रा, बीज परीक्षण, शुद्धता प्रतिशत, बीज भार, नमी की मात्रा, अंकुरण प्रतिशत। बीजों के माध्यम से क्यारियों में पानी देना, निराई-गुड़ाई करना और चयनित प्रजातियों का प्रसार करना। वानस्पतिक प्रसार: प्रकार और महत्व। फलों के पौधों के लिए रूट स्टॉक। सूक्ष्म प्रसार। नर्सरी उत्पादन के लिए ग्रीनहाउस का उपयोग।

यूनिट III: नर्सरी का प्रबंधन

वाणिज्यिक नर्सरी प्रबंधन, उद्यमिता विकास, नर्सरी प्रबंधन के सिद्धांत: साइट चयन, वित्तीय पहलू, कानूनी नियम, उत्पादन प्रथाएं (पोषण, जल प्रबंधन, छंटाई और प्रशिक्षण, भंडारण और हैंडलिंग, परिवहन)। सिंचाई के तरीके, मिट्टी और पोषण संबंधी आवश्यकताएं। बॉटम हीट तकनीक और ठंडी और गर्म सतहें। धुंध कक्ष और सख्त तकनीक। बुवाई और रोपण तकनीक। नर्सरी की देखभाल और सुरक्षा। वित्तीय और संसाधन प्रबंधन।

यूनिट IV: नर्सरी कीट और रोग प्रबंधन

नर्सरी कीट और रोगों का अवलोकन, समस्याओं की पहचान, नर्सरी की स्वच्छता, रोगज़नक़ का प्रकार, सामान्य रोग: भिगोना, विल्ट, लीफ स्पॉट आदि, नर्सरी में आम कीट कीट: एफिड्स, थ्रिप्स, मीली बग, माइट्स, दीमक आदि, कीट के तरीके नियंत्रण (भौतिक, रासायनिक और जैविक), स्प्रे के मानक, रासायनिक उपयोग को कम करना, आदि

व्यावहारिक पाठ्यक्रम

भूमि की पहचान, सिंचाई सुविधा, रोपण सामग्री। अवसंरचना: नर्सरी बेड, पॉलिथीन बैग, उपकरण, उर्वरक, पॉलीहाउस, शेड हाउस, पॉलीटनल, खाद, आदि।

SYLLABUS

For UG COURSE (III / IV Semester) UNDER NEP-2020

AMDSC-2: Basic Yoga Practices Course Details

Objective of Course

The subject entitled Basic Yoga Practices has the following objectives:

- Students of the UG course will have an understanding about origin, history, meaning and types of Yoga.
- They will have an idea about the Asana, Pranayama and Meditation.
- Students will experience the benefits of Asana, Pranayama and Meditation by self-practice.

Total Number of Hours: 30			Theory		'utorial	Practical
Credits			0)	2
Hours/ week			0	0	1	4
SCHEME OF EXAMINATION						
Total Marks:						
		Semeste exam)	er exam	(Final	Total Marks	
30		70			100	

Syllabus

Unit-1: Fundamentals of Yoga

History and Development of Yoga, Meaning and Definition of Yoga, Aim and Objectives of Yoga, Misconceptions of Yoga; Brief knowledge about Streams of Yoga; Importance of Yoga.

Unit-2:SookshmaVyayama and Soorya Namaskar

Padanguli Naman & Goolf Naman, Goolf Chakra, Janu Naman, Poorna Titali Asana, Manibandha Naman, Kehuni Naman, Skandha Chakra, Greeva Sanchalana, Soorya Namaskar.

Unit-3: Asana

Tadasana, Vrikshasana, Utkatasana, ArdhChakrasana, Pashchimuttasana, Goumukhasana, Vakrasana,Vajrasana,Uttanpadasana, Nokasna,Halasana, Shavasana Bhujangasana, Shalabhasana, Dhanurasana, Makarasana.

Unit-4: Pranayama and Meditation

Nadishodhan, Bhastrika, Seetali, Bhramari, Ujjayi, Soham& Pranav Meditation, Yoga-Nidra.

TEXT BOOKS

- 1. Singh S. P: History of Yoga, PHISPC, Centre for Studies in Civilization Ist, 2010
- 2. Singh S. P & Yogi Mukesh: Foundation of Yoga, Standard Publication, New Delhi, 2010
- 3. Saraswati, Swami Satyananda: Surya Namaskar, Yoga Publication Trust, Munger, 2004
- 4. SwamiSatyanandaSaraswati: Asana Pranayama Mudra-Bandha, Bihar School of Yoga, Munger,2005.
- 5. Digambar, Swami (2012) Hathpradipika (Swatmaramkrit), Kaivalyadham Lonavala, Pune.
- 6. Swami, NiranjananandSaraswati (2013) Gherand Samhita, BiharSchoolofYoga, Munger.

पाठ्यक्रम

यूनिट -1: योग के मूल सिद्धांत-योग का इतिहास और विकास, योग का अर्थ और परिभाषा, योग का अभिप्राय और उद्देश्य, योग की भ्रांतियां; योग की धाराओं के बारे में संक्षिप्त जानकारी; योग का महत्व।

यूनिट -2: सूक्ष्म व्यायाम और सूर्य नमस्कार- पदंगुली नमन और गूल्फ नमन, गुल्फ चक्र, जानू नमन, पूर्ण तितली आसन, मणिबंध नमन, केहुनी नमन, स्कंध चक्र, ग्रीवा संचालन, सूर्य नमस्कार।

यूनिट -3: आसन- ताड़ासन, वृक्षासन, उत्कटासन, अर्धचक्रासन, पश्चिममुत्तासन, गौमुखासन, वक्रासन, वज्रासन, उत्तानपादासन, नोकासन, हलासन, शवासन भुजंगासन, शलभासन, धनुरासन, मकरासन।

यूनिट-4: प्राणायाम एंड मैडिटेशन- नाड़ीशोधन, भिस्त्रका, सीतलि, भ्रामरी, उज्जायी, सोऽहं प्रणव मैडिटेशन, योग−निद्रा.

AMDSC-3 Physical Education and Sports Management

SYLLABUS

For

UG COURSE (III / IV Semester) UNDER NEP-2020

(2 Credit)

Objective:

The prime objective of this course is to encourage youths to concentrate on physical education, health and fitness. It will also help the students to lessen the mental tension and classroom pressure. There will be two aspects of the course: The theoretical aspect (one paper of 70 Marks) and the practical aspects (Sessional exam of 30 marks)

Syllabus

1- Health & Hygiene

- Concept, meaning and definition of Health and Health Education
- Dimension of Health.
- Disease- Types & sources
- Personal & Environmental hygiene

2- Sports Nutrition

- Nutrition: Meaning & definition
- Macro & Micro Nutrients
- Common sources of Nutrition
- Hydration, Caloric intake & expenditure

3- Fitness & related terms

- Meaning, definition & Types of Fitness
- Component of Physical Fitness, Role of Physical Fitness in human performance
- Health Related Physical Fitness
- BMI & Assessment of Obesity

4- Sports Injuries

- Common sports injuries
- Types and Causes
- First aid RICER
- Treatment of Injuries, Recovery process- Therapeutic modalities

उद्देश्य: इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को शारीरिक शिक्षा, स्वास्थ्य और फिटनेस की ओर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह छात्रों को मानसिक तनाव और कक्षा के दबाव को कम करने में भी मदद करेगा। पाठ्यक्रम के दो पहलू होंगे: सैद्धांतिक पहलू (70 अंकों का एक पेपर) और व्यावहारिक पहलू (30 अंकों की सत्र परीक्षा)

पाठ्यक्रम

- 1- स्वास्थ्य और स्वच्छताः और स्वास्थ्य शिक्षा की अवधारणा, अर्थ और परिभाषा, स्वास्थ्य का आयाम। रोग- प्रकार और स्रोत, व्यक्तिगत और पर्यावरणीय स्वच्छता
- 2- खेल पोषण: पोषण: अर्थ और परिभाषा, मैक्रो और सूक्ष्म पोषक तत्व, पोषण के सामान्य स्रोत, जलयोजन, कैलोरी की मात्रा और व्यय
- 3- फिटनेस और संबंधित शर्तै: , परिभाषा और फिटनेस के प्रकार, शारीरिक स्वास्थ्य के घटक, मानव प्रदर्शन में शारीरिक स्वास्थ्य की भूमिका, स्वास्थ्य संबंधी शारीरिक स्वास्थ्य, बीएमआई और मोटापे का आकलन
- 4. खेल संबंधित चोटें: आम खेल चोटें, प्रकार और कारण, प्राथमिक चिकित्सा राइसर चोटों का उपचार, ठीक होने की प्रक्रिया- चिकित्सीय तौर-तरीके

AMDSC-4 Folklores and their cultural context

Credits: 2

For UG COURSE (III / IV Semester) UNDER NEP-2020

Objective:

Main objective of this course is to connect students with different Indian folklores and their cultural context. The criteria of selection of the genres is based on their performative and cultural contexts in several parts of the Indian Subcontinent .

Unit 1: Folk Dances and their ritual contexts:

- a. Theyyam dance of the Deccan states
- b. Lambadi dance of Andra Pradesh
- c. Bihu dances of Assam
- d. Bhangada dance of Punjab
- e. Ghunagroo dance of Kashmir valley
- f. Naati dance of Himachal Pradesh
- g. Karma dance of bihar, Jharkhand, and Madhya Pradesh
- h. Nongkrem dance of Manipur
- i. Kabui dance of Nagas

Unit 2. Folk theatre forms and their cultural contexts:

- a. Kathakali of Kerala state
- b.Ramlila of Ramnagar
- c. Jatra theatre of Orissa, Bengal and Assam
- d. Lai Haroba of Manipur
- e. Chhau theatre of Purulia, Mayrbhanj and Saraikela
- f. Tamasha theatre of Maharashtra
- g. Bhagwtrmela of Andrapradesh and Telangana
- h. Pandava theatre of Uttrakhand
- i. Yaksgaan theatre of Karnataka

Unit 3. Fairs and festivals of India: their social contexts

- a Bihu festivals of Assam
- b.Pongal festival of Tamilnadu
- c. Onam festival of Kerala
- d. Pushkar Mela
- e.Kullu Dashhara
- f.Lohari festival of Punjab
- g.Losar festival of Laddakh and Lahol valley
- h. Bhavai and Navratra festival of Guirat
- i. Navratra celebrations of Bengal
- J. Ganpati Bappa festival of Maharastra

Unit 4: Folk songs and their narrative contexts:

- a.Biraha and Vidisia of Bihar
- b. romantic and spiritual Lavanis of Maharastra
- c. Sufi songs of Punjab
- d. Maand singing of Rajsthan
- e.Jaagar songs of Uttarakhand
- f.Baul songs of Bengal
- g. Holi singing of Mathura
- h.Bartari narrative of Haryana

Suggested readings:

- 1. Kapila Vatsyayan. *Traditions of Indian Folk Dance*. New Delhi: Indian Book Company, 1977
- 2. M.D. Muthukumaraswamy and Molly Kaushal ,eds. *Folklore, Public Sphere and Civil Society*. New Delhi: IGNCA, 2004
- 3. Hildegard L. Spreen. Folk Dances of South India. London: Oxford University Press, 1948
- 4. Kapila Vatsyayana. *Traitional Indian Theatre: Multiple Streams*.New Delhi: National Book Trust , India, 1980
- 5. D.R. Purohit . *Uttarakhand ki Lokkalyein avam Uske Kalakar*. Lucknow : Sanskriti Vibhag 1995
- 6. Arvind Gupta. Festivals of India. New Delhi: Publication Dn., 2021

AMDSC-4 लोकगीत और उनका सांस्कृतिक संदर्भ

क्रेडिट: 2

एनईपी-2020 के तहत यूजी (स्नातक-पूर्व) कोर्स (III / IV सेमेस्टर) के लिए

उद्देश्य:

इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को विभिन्न भारतीय लोककथाओं और उनके सांस्कृतिक संदर्भ से जोड़ना है। शैलियों के चयन का मानदंड भारतीय उपमहाद्वीप के कई हिस्सों में उनके प्रदर्शन और सांस्कृतिक संदर्भों पर आधारित है।

यूनिट 1: लोक नृत्य और उनके अनुष्ठान संदर्भ:

- (a) दक्कन राज्यों का थेय्यम नृत्य
- (b) आंध्र प्रदेश का लम्बाडी नृत्य
- (c) असम के बिहू नृत्य
- (d) पंजाब का भांगड़ा नृत्य
- (e) कश्मीर घाटी का घुंघरू नृत्य
- (f) हिमाचल प्रदेश का नाटी नृत्य
- (g) बिहार, झारखंड और मध्य प्रदेश का कर्मा नृत्य
- (h) मणिपुर का नोंगक्रेम नृत्य
- (i) नागासो का काबुई नृत्य

इकाई 2. लोक रंगमंच के रूप और उनके सांस्कृतिक संदर्भ:

- (a) केरल राज्य की कथकली
- (b) रामनगर की रामलीला
- (c) उड़ीसा, बंगाल और असम के जात्रा रंगमंच

- (d) मणिपुर के लाई हारोबा
- (e) पुरुलिया, मयूरभंज और सरायकेला के छऊ थिएटर
- (f) महाराष्ट्र का तमाशा थिएटर
- (g) आंध्रप्रदेश और तेलंगाना के भगवत्रमेला
- (h) उत्तराखंड के पांडव रंगमंच
- (i) कर्नाटक का यक्षगान थिएटर

यूनिट 3. भारत के मेले और त्यौहार: उनके सामाजिक संदर्भ

- (a) असम का एक बिहू त्योहार
- (b) तमिलनाडु का पोंगल त्योहार
- (c) केरला का ओणम त्यौहार
- (d) पुष्कर मेला
- (e) कुल्लू दशहरा
- (f) पंजाब का लोहारी त्योहार
- (g) लद्दाख और लाहोल घाटी का लोसार त्योहार
- (h) गुजराती का भवई और नवरात्र पर्व
- (i) बंगाल के नवरात्र समारोह
- (ರं) गणपति बप्पा महाराष्ट्र का त्योहार

यूनिट 4: लोक गीत और उनके कथा संदर्भ:

- (a) बिहार का बिरहा और विदिसिया
- (b) महाराष्ट्र के रोमांटिक और आध्यात्मिक लावणी
- (c) पंजाब के सूफी गाने
- (d) राजस्थान का मांड गायन
- (e) उत्तराखंड के जागर गीत
- (f) बंगाल के बाउल गीत
- (g) मथुरा का होली गायन
- (h) हरियाणा का बरतारी आख्यान

AMDSC-5 "Indian Traditional Music"

(Additional Multi Disciplinary Skill Course)
Credit: 2

For UG COURSE (III / IV Semester) UNDER NEP-2020

Objective:

The aim of the course is to aware students with the fundamental aspects of Indian Traditional Music (Classical & Folk). This course provides the basic ideas and concepts of Traditional Music System of India. Students will get knowledge about Basic Theory & grammatical terminology of Indian classical& folk music.

(Note:-There will be Three Unit (I-III) of Theory and fourth(IV) Unit of Practical) Course Raga:-Bilawal, Yaman, Bhairay, Bhupali

Unit I:-Fundamental of Indian Music

(A) Study of the following: -

Sangeet, Naad & its Properties, Shruti, Swar, Saptak, Alankaar, Taan, Taal, Aroh, Avroh, Pakad, Raag, Jati, Vadi, Samvadi, Anuvadi, Vivadi.

(B) Study of Course: Raga & Theoretical knowledge of Alankar, Swarmalika & Lakshan Geet in Course ragas.

Unit II:- The Basic Knowledge of Instruments & Study of Taal:-

- (A) Introduction & Structure of **Tanpura, Sitar, Tabla, Pakhawaz** Instruments & Study & Comparative Study of Teen Taal, Dadra, Kehrwa.
- **(B) Knowledge of Notation** (National Anthem, Vande Mataram), Comparative Study of Course Raga.

Unit III :- fundamental of Folk Music

- (A) Fundamental of Folk Music :-Intorduction, Origin, Structure.
- (B) Study about folk music of Uttarakhand :-Sanskargeet, Bajuband & Jagar
- (C) Study about Folk Instruments, Types of Instruments:-Tat, Suhir, Ghan, Avanadh.

Unit IV:- Practical/Viva Voce:-

- (A) Ability to perform alankar & course Raga & Folk Song.
- (B) Knowledge of Taal Folk & Classical.

Recomnded Books

- Bhatkhande Sangeet Shastra- V. N. Bhatkhande
- Sangeet Visharad- Basant
- Kramik Pustak Mallika- Part I,II,III V. N. Bhatkhande
- Raag Vigyan V. N. Patwardhan
- Sangeet Bodh Sharad Chandra Pranjpayee
- Gadhwal ka lok Sangeet :-GovindChatak
- Gahdwal key loaknrityageet :- Dr. ShivanandNauityal
- Gadhwal Key Loak Geeton Mein Raag Raginya :- Dr. Madhuri Barthwal
- Dhunyal :- Govind Chatak

AMDSC-5 "भारतीय पारंपरिक संगीत"

(अतिरिक्त बहु विषयक कौशल पाठ्यक्रम)

क्रेडिट: 2

एनईपी-2020 के तहत स्नातक कोर्स (III / IV सेमेस्टर) के लिए

उद्देश्य:

पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को भारतीय पारंपरिक संगीत (शास्त्रीय और लोक) के मूलभूत पहलुओं से अवगत कराना है। यह पाठ्यक्रम भारत की पारंपरिक संगीत प्रणाली के मूल विचारों और अवधारणाओं को प्रदान करता है। छात्रों को भारतीय शास्त्रीय और लोक संगीत के मूल सिद्धांत और व्याकरण संबंधी शब्दावली के बारे में जानकारी मिलेगी। (नोट:- थ्योरी की तीन यूनिट (I-III) और प्रैक्टिकल की चौथी (IV) यूनिट होगी)

कोर्स राग :- बिलावल, यमन, भैरव, भूपाली

यूनिट I:-भारतीय संगीत के मूल सिद्धांत

- (ए) निम्नलिखित का अध्ययन: -
- संगीत, नाद और उसके गुण, श्रुति, स्वर, सप्तक, अलंकार, तान, ताल, आरोह, अवरोह, पकाड़, राग, जाति, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी।
- (बी) रागों में अलंकार, स्वरमालिका और लक्षण गीत के पाठ्यक्रम राग और सैद्धांतिक ज्ञान का अध्ययन।

यूनिट II :- यंत्रों का बुनियादी ज्ञान और ताल का अध्ययन:-

- ए) तानपुरा, सितार, तबला, पखावाज इंस्ट्रूमेंट्स का परिचय और संरचना और तीन ताल, दादरा, केहरवा का अध्ययन और तुलनात्मक अध्ययन।
- बी) नोटेशन का ज्ञान (राष्ट्रगान, वंदे मातरम), कोर्स राग का तुलनात्मक अध्ययन।

यूनिट III:- लोक संगीत की मौलिकता

- (ए) लोक संगीत का मूल: परिचय, उत्पत्ति, संरचना।
- (बी) उत्तराखंड के लोक संगीत के बारे में अध्ययन:-संस्कारगीत, बाजूबंद और जागर
- (सी) लोक वाद्ययंत्रों के बारे में अध्ययन, उपकरणों के प्रकार: -तट, सुहिर, घन, अवनद।

यूनिट IV:- प्रैक्टिकल/ मौखिकी

- (ए) अलंकार और पाठ्यक्रम राग और लोक गीत प्रदर्शन करने की क्षमता।
- (बी) ताल का ज्ञान लोक और शास्त्रीय।

AMDSC-6 Tour and Travel Operation

SYLLABUS For UG COURSE (III / IV Semester) UNDER NEP-2020

Objective:

In this module students will understand the conceptual meaning and function of Travel agency and tour operator. Further, they can get Knowledge on Travel formalities and documentation for Inbound and out bound Tour, Preparation of Tour Itinerary and Role and function of Various Travel Organization.

Syllabus

Unit I:

Concept of Travel Agency Business; History and Present status of Travel Agency Business. Travel Terminology and Travel Trade Organization: Travel Trade Abbreviations and other terms: 3 letter City Code and Airport Code, Airline Designated Code,

Unit-II-

Travel organizations: Travel Agents Association of India (TAAI), Indian Association of Tour Operators (IATO), International Air Transport Association (IATA), International Civil Aviation Organization (ICAO)

Unit-III

Concept of Package Tour, Principles of Making Effective Tour Itinerary, Preparation of itineraries and tour package formulation of a few popular tourist destination and Handling Package tour.

Unit IV:

Travel documentation (Types of VISA and regulation, Passport, Travel Insurance),

Suggested Readings:

- 1. Holloway, K.C., The Business of Tourism (1983), Mac Donbald and Evans, Plymounth.
- 2. Syratt Gwenda, Manual of Travel Agency Practice, Buutterworth Heinmann, London, 1995
- 3. Susan Webster, Travel Operating Procedures (Second Edition),- Van Nostrand Reinhold New York.
- 4. Fuller-Travel Agency Management, South-Vestern Publishing Co.
- 5. Chand Mohinder, Travel Agency Management, Anmol Publication
- 6. Gupta S.K.(2007), International Airfare & Ticketing, UDH, Publisher.

पाठ्यक्रम

यूनिट ।: ट्रैवल एजेंसी व्यवसाय की अवधारणा; ट्रैवल एजेंसी व्यवसाय का इतिहास और वर्तमान स्थिति। यात्रा शब्दावली और यात्रा व्यापार संगठन: यात्रा व्यापार संकेताक्षर और अन्य शर्तें:, त्रिअक्षरीय सिटी कोड और एयरपोर्ट कोड, एयरलाइन नामित कोड

यूनिट - II: यात्रा संगठन: ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (TAAI), इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (IATO), इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (IATA), इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गनाइजेशन (ICAO)

यूनिट-111

पैकेज टूर की अवधारणा, प्रभावी टूर यात्रा कार्यक्रम बनाने के सिद्धांत, यात्रा कार्यक्रम तैयार करना और कुछ लोकप्रिय पर्यटन स्थलों के टूर पैकेज तैयार करना और पैकेज टूर को संभालना।

यूनिट IV: यात्रा दस्तावेज़ीकरण (वीज़ा और विनियमन के प्रकार, पासपोर्ट, यात्रा बीमा)